सीएसए के वरिष्ठ वैज्ञानिक ने प्याज की वैज्ञानिक खेती पर दी जानकारी

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.राम बटुक सिंह ने बीते दिन गुरुवार को किसानों के लिए खरीफ प्याज की वैज्ञानिक खेती विषय पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्याज एक नकदी फसल है जिसमें विटामिन सी, फास्फोरस आदि पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि हमारे देश में रबी एवं खरीफ दोनों ऋतुओ में प्याज उगाया जाता है। किसान प्याज की नर्सरी जून के अंतिम सप्ताह तक अथवा देर की अवस्था में जुलाई के प्रथम सप्ताह तक डाल सकते है। उन्होंने बताया कि प्याज शीतोष्ण जलवायु की फसल है व इसके अच्छे विकास के लिए 13 से 24 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान एवं 70 फीसदी आर्द्रता की आवश्यकता होती है। डॉ. सिंह ने बताया कि एन-53, एग्रीफाउंड डार्क रेड, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा शुभ्रा और अर्का कल्याण और अर्का निकेतन खरीफ की प्रमुख उन्नतशील प्रजातियां हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्याज की बुवाई के लिए उर्वरकों के प्रबंधन के बारे में जानकारी दी।

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष : 8, अंक : 29 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, शुक्रवार
23 जून, 2023
मूल्य ₹ 3.00

www.shashwattimes.com

खरीफ में प्याज बोएं, पायें आर्थिक लाभ:डॉ राम बटुक सिंह

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राम बटुक सिंह ने किसानों के लिए खरीफ प्याज की वैज्ञानिक खेती विषय पर जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि किसान भाई प्याज की नर्सरी जून अंतिम सप्ताह तक अथवा देर की अवस्था में जुलाई के प्रथम सप्ताह तक डाल सकते है।उन्होंने बताया कि प्याज एक नकदी फसल है। जिसमें विटामिन सी, फास्फोरस आदि पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए

जाते हैं।प्याज का उपयोग सलाद, सब्जी, अचार एवं मसाले के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में रबी एवं खरीफ दोनों ऋतुओ में प्याज उगाया जाता है। डॉ सिंह ने बताया कि प्याज शीतोष्ण जलवायु की फसल है। हल्के मौसम में इसकी अच्छी उपज प्राप्त की जा

सकती है।उन्होंने बताया कि प्याज के अच्छे विकास के लिए 13 से 24 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान एवं 70त आर्द्रता की आवश्यकता होती है। प्याज के लिए दोमट एवं जलोढ़ मिट्टी जिसमें पर्याप्त कार्बनिक मात्रा एवं उचित जल निकास की सुविधा हो उचित रहती है।उन्होंने बताया कि प्याज की नर्सरी के लिए जून का महीना सर्वोत्तम होता है।एक हेक्टेयर प्याज की नर्सरी के लिए 8 से 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। डॉ सिंह ने खरीफ की बुवाई हेतु उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया कि एन-53,एग्रीफाउंड डार्क रेड, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा शुभा और अर्का कल्याण और अर्का निकेतन प्रमुख उन्नतशील प्रजातियां हैं। उर्वरकों के प्रबंधन हेतु उन्होंने बताया कि 250 कुंतल सड़ी हुई गोबर की खाद, 120 किलोग्राम डीएपी, 100 किलोग्राम यूरिया, 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट तथा 50 किलोग्राम बेंटोनाइट सल्फर प्रति हेक्टेयर रोपाई के पूर्व खेत में मिला दें। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि ब्याज की वनस्पति की वृद्धि कम हो तो 19ग्19ग्19 पानी में घुलनशील उर्वरक 15, 30 एवं 45 दिनों बाद 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। प्याज की फसल रोपाई के 90 से 120 दिन बाद परिपक्व हो जाती है।तब खुदाई कर ले। उन्होंने कहा कि यदि किसान भाई वैज्ञानिक विधि से प्याज की खेती करते हैं तो एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में औसतन 300 से 350 कुंतल प्याज की उपज प्राप्त होगी।जिससे किसान भाइयों को लाभ होगा।

वर्ष-17 अंक-169 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, शुक्रवार 23 जून 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

RNI N.UPHIN/2007/27090

खरीफ में प्याज बोएं, पायें आर्थिक लाभः डॉ. राम बटुक सिंह

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राम बटुक सिंह ने किसानों के लिए खरीफ प्याज की वैज्ञानिक खेती विषय पर जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि किसान भाई प्याज की नर्सरी जून अंतिम सप्ताह तक अथवा देर की अवस्था में जुलाई के प्रथम सप्ताह तक डाल सकते है।उन्होंने बताया कि प्याज एक नकदी फसल है। जिसमें विटामिन सी, फास्फोरस आदि पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।प्याज का उपयोग सलाद, सब्जी, अचार एवं मसाले के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में रबी एवं खरीफ दोनों ऋतुओ में प्याज उगाया जाता है। डॉ सिंह ने बताया कि प्याज शीतोष्ण जलवायु की फसल है। हल्के मौसम में इसकी अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है।उन्होंने बताया कि प्याज के अच्छे विकास के लिए 13 से 24 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान एवं 70त्न आर्द्रता की आवश्यकता होती है। प्याज के लिए दोमट एवं जलोढ़ मिट्टी जिसमें पर्याप्त कार्बनिक मात्रा एवं उचित जल निकास की सुविधा हो उचित रहती है।उन्होंने बताया कि प्याज की नर्सरी के लिए जून का महीना सर्वोत्तम होता है।एक हेक्टेयर प्याज की नर्सरी के लिए 8 से 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। डॉ सिंह ने खरीफ की बुवाई हेतु उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया कि एन-53,एग्रीफाउंड डार्क रेड, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा शुभ्रा और अर्का कल्याण और अर्का निकेतन प्रमुख उन्नतशील प्रजातियां हैं। उर्वरकों के प्रबंधन हेतु उन्होंने बताया कि 250 कुंतल सड़ी हुई गोबर की खाद, 120 किलोग्राम डीएपी, 100 किलोग्राम यूरिया, 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट तथा 50 किलोग्राम बेंटोनाइट सल्फर प्रति हेक्टेयर रोपाई के पूर्व खेत में मिला दें। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि ब्याज की वनस्पति की वृद्धि कम हो तो 19=19=19 पानी में घुलनशील उर्वरक 15, 30 एवं 45 दिनों बाद 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। प्याज की फसल रोपाई के 90 से 120 दिन बाद परिपक्व हो जाती है।तब खुदाई कर ले। उन्होंने कहा कि यदि किसान भाई वैज्ञानिक विधि से प्याज की खेती करते हैं तो एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में औसतन 300 से 350 कुंतल प्याज की उपज प्राप्त होगी।जिससे किसान भाइयों को लाभ होगा।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 14 अंक : 348 कानपुर, शुक्रवार 23 जून 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

खरीफ में प्याज बोएं, पायें आर्थिक लाभ : डॉ राम

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राम बटुक सिंह ने किसानों के लिए खरीफ प्याज की वैज्ञानिक खेती विषय पर जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि किसान भाई प्याज की नर्सरी जून अंतिम सप्ताह तक अथवा देर की अवस्था में जुलाई के प्रथम सप्ताह तक डाल सकते है।उन्होंने बताया कि प्याज एक नकदी फसल है। जिसमें विटामिन सी, फास्फोरस आदि पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।प्याज का उपयोग सलाद, सब्जी, अचार एवं मसाले के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में रबी एवं खरीफ दोनों ऋतुओ में प्याज उगाया जाता है। डॉ सिंह ने बताया कि प्याज शीतोष्ण जलवायु की फसल है। हल्के मौसम में इसकी अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है।उन्होंने बताया कि प्याज के अच्छे विकास के लिए 13 से 24 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान एवं 70त्न आर्द्रता की आवश्यकता होती है। प्याज के लिए दोमट एवं जलोढ़ मिट्टी जिसमें

पर्याप्त कार्बनिक मात्रा एवं उचित जल निकास की सुविधा हो उचित रहती है।उन्होंने बताया कि प्याज की नर्सरी के लिए जून का महीना सर्वोत्तम होता है।एक हेक्टेयर प्याज की नर्सरी के लिए 8 से 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। डॉ सिंह ने खरीफ की बुवाई हेतु उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया कि एन-53,एग्रीफाउंड डार्क रेड, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा शुभ्रा और अर्का कल्याण और अर्का निकेतन प्रमुख उन्नतशील प्रजातियां हैं। उर्वरकों के प्रबंधन हेतु उन्होंने बताया कि 250 कुंतल सड़ी हुई गोबर की खाद, 120 किलोग्राम डीएपी, 100 किलोग्राम यूरिया 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट तथा 50 किलोग्राम बेंटोनाइट सल्फर प्रति हेक्टेयर रोपाई के पूर्व खेत में मिला दें। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि ब्याज की वनस्पति की वृद्धि कम हो तो 19ग्र19ग्र19 पानी में घुलनशील उर्वरक 15, 30 एवं 45 दिनों बाद 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। प्याज की फसल रोपाई के 90 से 120 दिन बाद परिपक्व हो जाती है।तब खुदाई कर ले। उन्होंने कहा कि यदि किसान भाई वैज्ञानिक विधि से प्याज की खेती करते हैं तो एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में औसतन 300 से 350 कुंतल प्याज की उपज प्राप्त होगी।जिससे किसान भाइयों को लाभ होगा।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

– 171 लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, शुक्रवार, 23 जून, 2023 पृष्ठ: 8 मूल्य: 03 रूपए

खरीफ में प्याज बोएं, पायें आर्थिक लाभ :डा0 राम बटुक सिंह

(रहस्य संदेश)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राम बटुक सिंह ने किसानों के लिए खरीफ प्याज की वैज्ञानिक खेती विषय पर जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि किसान भाई प्याज की नर्सरी जून अंतिम सप्ताह तक अथवा देर की अवस्था में जुलाई के प्रथम सप्ताह तक डाल सकते है।उन्होंने बताया कि प्याज एक नकदी फसल है। जिसमें विटामिन सी, फास्फोरस आदि पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।प्याज का उपयोग सलाद, सब्जी, अचार एवं मसाले के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में रबी एवं खरीफ दोनों ऋतुओ में प्याज उगाया जाता है। डॉ सिंह ने बताया कि प्याज शीतोष्ण जलवायु की फसल है। हल्के मौसम में इसकी अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है।उन्होंने बताया कि प्याज के अच्छे विकास के लिए 13 से 24 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान एवं 70: आर्द्रता की आवश्यकता होती है। प्याज के लिए दोमट एवं जलोढ़ मिट्टी जिसमें पर्याप्त कार्बनिक मात्रा एवं उचित जल निकास की सुविधा हो उचित रहती है।उन्होंने बताया कि प्याज की नर्सरी के लिए जून का महीना सर्वोत्तम होता है।एक हेक्टेयर प्याज की नर्सरी के लिए 8 से 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। डॉ सिंह ने खरीफ की बुवाई हेतु उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया कि एन–53,एग्रीफाउंड डार्क रेड, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा शुभ्रा और अर्का कल्याण और अर्का निकेतन प्रमुख उन्नतशील प्रजातियां हैं। उर्वरकों के प्रबंधन हेतु उन्होंने बताया कि 250 कुंतल सड़ी हुई गोबर की खाद, 120 किलोग्राम डीएपी, 100 किलोग्राम

यूरिया, 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट तथा 50 किलोग्राम बेंटोनाइट सल्फर प्रति हेक्टेयर रोपाई के पूर्व खेत में मिला दें। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि ब्याज की वनस्पति की वृद्धि कम हो तो 19रू19रू19 पानी में घुलनशील उर्वरक 15, 30 एवं 45 दिनों बाद 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। प्याज की फसल रोपाई के 90 से 120 दिन बाद परिपक्व हो जाती है।तब खुदाई कर ले। उन्होंने कहा कि यदि किसान भाई वैज्ञानिक विधि से प्याज की खेती करते हैं तो एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में औसतन 300 से 350 कुंतल प्याज की उपज प्राप्त होगी।जिससे किसान भाइयों को लाभ होगा।